707

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–21)

निर्धारित समयः तीन घंटे Time allowed: Three Hours	GSM (M-I)-2421	अधिकतम अंकः 250 Maximum Marks: 250

Name: AJAY KUMAR **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: M.N. 707 **UPSC Roll No. (If allotted):** 0835847

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्राथमिक शैलों की विशेषताओं का वर्णन कीजिये। ये कितने प्रकार के होते है? (150 शब्द) 10

Outline the features and classifications of primary rocks. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी में प्राथमिक शैलों की उपस्थिति व निर्माण ज्वालामुखी घटनाओं द्वारा ~~निर्माण~~ निर्धारित की गयी है। बैथोलिथ, सिल, डायक के रूप में इनकी उपस्थिति मिलती है।

प्राथमिक शैल विशेषता

i) संसाधनों से परिपूर्ण:- धात्विक व गैर धात्विक संसाधनों की बहुलता के कारण महत्वपूर्ण क्षेत्र।

ii) इन शैलों में ~~पर~~ लावा के अन्तर्लीन व आंतरिक आधार पर विभाजन पाया जाता है।

iii) कठोर संरचना:- प्रकृति में कठोरता पाई जाती है।

विभिन्न प्रकार

(i) आग्नेय रॉक्स:- आग्नेय लावा के प्रथम प्रभाव के साथ बनती है। इसमें लावा के

drishti दृष्टि The Vision

तीव्र अभाव से पहाड़ी (पर्वतीय) व छोटे-छोटे अभाव से पठारों का निर्माण होता है।

- इसमें जीवाश्म संसाधनों की उपस्थिति नहीं पाई जाती है।

ii) अवसादी :- अवसादों के अभाव की यह स्थिति आग्नेय शैल से बाद की है। इन्हें परतीकरण शैली भी कहते हैं क्योंकि विभिन्न परतों में संसाधन पाए जाते हैं।

iii) रूपांतरित शैल :- दाब, आयतन व तापमान के कारण शैलों के गुणों में रूपांतरण। इस गतिविधि से शैलों में संसाधनों का वर्गीकरण होता है।

शैल चक्र के द्वारा इन शैलों की स्थिति में रूपांतरण चलता रहता है। व अपक्षय, अपरदन, जैसी घटनाओं के द्वारा भी संसाधन उपलब्ध करा अर्थव्यवस्था में भूमिका निभाती हैं।

2. भारत सरकार अधिनियम 1858 ने ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को सत्ता हस्तांतरित कर दी। हालाँकि भारत में प्रचलित शासन प्रणाली पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और ये परिवर्तन कृत्रिम थे। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

(150 शब्द) 10

The Government of India Act 1858 transferred the power from the East India company to the British Crown. However, the system of government that prevailed in India was hardly affected. The changes made were artificial. Critically analyze. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 के महान विद्रोह के बाद ब्रिटेन द्वारा भारत में शासन व्यवस्था में सुधार लाने के लिए भारत सरकार अधिनियम 1858 पारित किया।

भारत शासन अधिनियम, 1858 प्रावधान

i) भारत का शासन कंपनी के हाथों से छीना, ब्रिटिश साम्राज्ञी का शासन शुरू

ii) गवर्नर जनरल के पद की समाप्ति वायसराय का पद आया

iii) वायसराय की मदद के लिए। भारत सचिव का पद व पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरुआत।

भारत पर असर

i) भारत की शासन प्रणाली में सुधार के वादे किए, परंतु देशी रजाओं की सामंत की व्यवस्था में हास, शोषण जारी

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रहा → रेलवे, नमक कर आदि का विस्तार।

ii) सामाजिक नीति में हस्तक्षेप न करने का वादा परंतु मिशनरी गतिविधि जारी रही।

iii) जनजातीय अधिकारों पर भी 1864 के वन कानून व 1878 कानून द्वारा हमला।

सकारात्मक प्रभाव

i) 'बादशाहत मॉडल' ने भारतीय शासकों को जनता के प्रति जिम्मेदारी निभाने को कहा।

ii) सिविल सेवा में भारतीयों का पदार्पण हुआ।

iii) शिक्षा के विस्तार से लोगों में आधुनिकता व चेतना आई।

iv) 1861 में पोर्टफोलियो प्रणाली से भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिला व आगे स्थानीय स्वशासन (निचले स्तर) पर भी शुरू।

हालांकि ये सुधार आंशिक तौर पर ही हुए परंतु लोगों की चेतना जागृति ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की नींव रखी जा सकी व 1885 में कांग्रेस स्थापना से आंदोलन ने गति पकड़ी।

3. चक्रवात प्रवण क्षेत्रों के लिये IMD द्वारा जारी किये गए रंग कोडित मौसम चेतावनियों के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

(150 शब्द) 10

Highlight the significance of colour coded weather warnings for cyclone prone areas given by IMD.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चक्रवात उष्ण कटिबंधीय व शीतोष्ण कटिबंधीय के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं। निम्न दाब के क्षेत्र के चारों ओर हवाओं का वामावर्त परिसंचरण चक्रवात उत्पन्न करता है। (उत्तरी गोलार्ध)

→ चक्रवात से बचाव व जान माल के नुकसान को रोकने के लिए IMD का गठन

→ IMD भारत के साथ-साथ 13 अन्य देशों के लिए भी काम करता है। इसके प्रमुख कार्यों में चक्रवात का नामकरण व चेतावनी जारी करना है।

IMD का रंग कोड

→ IMD द्वारा लाल, पीला, नारंगी, हरा आदि का प्रयोग कर के लोगों को आपदा की स्थिति के प्रति आगाह

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किया जाता है।

→ लाल रंग सबसे अधिक खतरे को दिखाता होता है। ऐसी स्थिति में तटीय क्षेत्रों को खाली करवा कर जान माल की बचाव सुनिश्चित किया जाता है।

उदा- हाल ही में अम्फान, फोनी जैसे चक्रवात भारतीय तटों से टकराए हैं।

→ इसके अलावा ऑरेंज व नारंगी रंगों के माध्यम से कम तीव्रता की सम्भावित चक्रवातों का निर्धारण किया जाता है।

→ अगर स्थिति शांतिपूर्ण है तो हरे रंग का प्रयोग होता है।

महत्व → मछुआरों को गहरे समुद्र में जाने से रोकना
→ पर्यटकों की मदद करना
→ अंग्रिम कौशलकी की चेतावनी प्रणाली का प्रयोग सुनिश्चित करना।

अतः भारत के IMD द्वारा नाविक, IRNSS, GEMINI जैसी तकनीकों के द्वारा चक्रवात हानि को कम करने के प्रयास किए जाते हैं।

drishti दृष्टि The Vision

4. वैदिक काल ने साहित्य, धर्म और दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Vedic period has contributed immensely to various fields such as literature, religion and philosophy. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैदिक काल की शुरुआत 1500 ई० पू० के आस पास मानी जाती है। इस काल ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद सामाजिक, सांस्कृतिक जानकारी उपलब्ध करवाते है।

साहित्य में भूमिका

- चार वेदों की रचना
- बाद में ब्राह्मण, आरण्यकों व उपनिषदों की रचना
- साहित्य का मौखिक तौर पर प्रसार बाद में चारणों व ब्राह्मणों ने लिखित रूप दिया।

धर्म में वैदिक धर्म भूमिका

- धर्म में शुरुआती तौर पर धर्मनिरपेक्षता के तत्व
- एकेश्वरवाद का अग्निश्लोक में अनुभव परंतु बहुदेव वादी थे → पृथ्वी, अंतरिक्ष

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के देवता

↳ धर्म इहलोक पर ज्यादा केंद्रित - पारलौकिक बातों पर जोर नहीं था।

दर्शन में वैदिक धर्म

↳ वैदिक धर्म ने मानव की स्वच्छंदता व भौतिक जीवन जीने पर जोर दिया।

↳ वर्ण व्यवस्था में जटिलता न होने व महिला आजादी के कारण सुगम दर्शन

↳ वेदों पर ब्राह्मणों की रचना के बाद आरण्यक व उपनिषदों ने सुधार के प्रयास

→ प्राकृतिक पूजा पर जोर। उपनिषदों ने कर्मकांडों को ठुकरा तर्क चिंतन पर बल।

अतः वैदिक धर्म स्वतंत्रता व उल्लास का केंद्र था परंतु उत्तर वैदिक काल के साथ कर्मकांडी तत्वों के आगमन ने जीवन को बेड़ियों में बांधना शुरू कर दिया।

drishti दृष्टि The Vision

5. 'दक्कन ट्रैप' पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन क्षमता धारित करता है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The 'Deccan Trap' holds substantial natural resource potential. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्रायद्वीप में दक्कन ट्रैप का विस्तार विंध्य पर्वत से नीलगिरी पहाड़ियां व पूर्व में कार्बी आंगलोंग तक देखा जा सकता है।

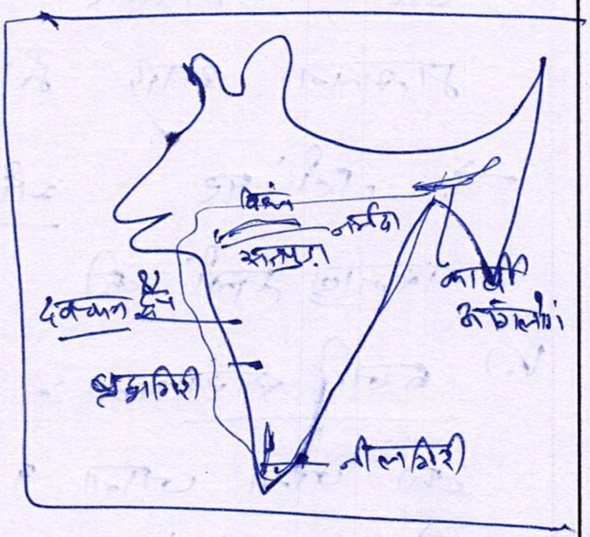

प्रमुख संसाधन

i) मृदा:- उपजाऊ काली मृदा की उपस्थिति के कारण इस क्षेत्र में कपास की फसल का उच्च उत्पादन व गन्ना, दालों के उत्पादन में भी अग्रणी योगदान।

ii) धात्विक:- धारवाड़, आर्कियन आदि चट्टानों की उपस्थिति के कारण सीसा, जस्ता, लौह आदि मिलना

ऊर्जा- कोई मुख्य चट्टान

iii) अधात्विक:- इस क्षेत्र से अभ्रक का

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अग्रणी उत्पादन, जीवाश्म संसाधनों के भी अवशेष मिलते हैं।
→ 1. सोने की खानों की उपस्थिति व चांदी का उत्पादन।

iv) समुद्री संसाधन :- दक्कन ट्रैप का महत्त्वपूर्ण तट तक विस्तार परिणामतः बंदरगाहों, मत्स्यन आदि में अग्रणी भूमिका।
→ 1. तटों पर थोरियम जैसे लाभकारी परमाणु तत्वों की प्राप्ति।

v.) ऊर्जा संसाधन :- जैवीय ऊर्जा जीवाश्म ईंधन के भंडारों का पाया जाना व प्राकृतिक गैसों के स्रोतों की प्राप्ति।

अतः दक्कन ट्रैप का निर्माण आंतरिक प्लेट संचलन व ज्वालामुखी घटनाओं से होने के कारण, एवं खनिज व अन्य प्राकृतिक संसाधनों (वनस्पति, बागानी कृषि) में समृद्ध बनाता है।

drishti | दृष्टि The Vision

6. ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने भारतीय पारंपरिक उद्योगों और कृषि को किस प्रकार नुकसान पहुँचाया? (150 शब्द) 10

Explain how British economic policies hurt the Indian traditional industries and agriculture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश राज की स्थापना ने भारत में अनेक सामाजिक व आर्थिक बदलाव लाए। आर्थिक बदलावों ने भारत के उद्योगों व कृषि की रीढ़ तोड़ने का काम किया।

भारतीय पारंपरिक उद्योगों व कृषि पर नुकसान

i) देशी उद्योग पतन :- हस्तकरघा, वुट्ज स्टील जैसे उद्योगों का खात्मा किया।

→ भारत को वस्त्र निर्यातक से धागों का भी आयातक बना दिया।

→ दस्तकारों ने काम छोड़ दिया, गांव व जंगलों की ओर भाग गए।

कृषि पर प्रभाव

→ पारंपरिक कृषि की बजाय व्यवसायीकरण को जन्म – नील, कपास, गन्ना।

→ भूराजस्व व्यवस्था की आड़ में सूदखोर

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथा को जन्म।

→ भूमि का पूंजीकरण करने से जमीनें नीलाम → किसान से मजदूर बने।

→ कृषि में फसलों में बदलाव से खाद्यान्न फसलों में कमी → अकालों की बारंबारता → 1943 बंगाल अकाल 30 लाख मरे

→ भारत का रेशम के उद्योग का भी पतन कर दिया व मैनचेस्टर के मशीनीकृत वस्त्रों से बाजार भर दिया।

→ जनजातीय कृषि पर हमला, वनों के अधिकार छीने

समग्र परिणाम → वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा 27% था जो 1947 में 2% तक गिर गया।

अंग्रेजों की नीतियों के विरुद्ध भारतीयों ने कृषक आंदोलन (तेभागा, चंपारण) व जनजातीय (संथाल, कोल, मुंडा विद्रोह) के द्वारा जवाब दिया गया।

drishti | दृष्टि The Vision

7. विवाह की पारंपरिक पद्धति पर 'समलैंगिक विवाह' के प्रभावों का अन्वेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Explore the impact of 'same-sex marriage' on the traditional institution of marriage. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में सुप्रियो चक्रवर्ती बनाम भारत संघ वाद 2023 में शीर्ष अदालत द्वारा समलैंगिक विवाह को मंजूरी नहीं दी गई है।

पारंपरिक पद्धति पर समलैंगिक विवाह प्रभाव

i) सामाजिक अस्वीकार्यता :- सामाजिक परंपराओं में स्वीकार न होने से विरोध उपजना।

ii) निजता के अधिकार में शामिल नहीं :- निजता के अधिकार में शामिल न होने के कारण भी ऐसे विवाह संबंधों को मान्यता नहीं।

iii) बच्चों पर असर :- ऐसे विवाह अनुमति पर गोद लिए बच्चों के जीवन पर आंच

सुप्रीम कोर्ट का सवाल :- माता-पिता कैसे निर्धारण होगा।

iv) रूढ़िवादिता पर प्रहार :- भारत में विवाह अब

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भी मजबूती सांस्कृतिक मूल्य :- अतः रूढ़िवादी विचारों पर इससे से विरोध का खतरा।

सकारात्मक प्रभाव

→ एक अभागी समाज को गरिमा से जीने का अधिकार देना।

→ लिंग कोई पूर्व धारणा नहीं, इसलिए समाज में बराबरी देने का कानून (अनुच्छेद 14 का पालन सुनिश्चित होगा)

→ जनसांख्यिकी लाभांश में तन मन से सेवा दे पायेंगे। उदा- बिहार में पुलिस सेवा में भर्ती LGBTQ+

आगे की राह

→ समाज की आधुनिकता का स्वीकार करना चाहिए

→ धारा 377 की समाप्ति के साथ समलैंगिक आने पर विवाह को भी मंजूरी मिलेगी

अतः भारतीय सांस्कृतिक पहलुओं को सम्मान करने के लिए समलैंगिक विवाह पर अभी व्यापक विचार की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

8. भारत पवन ऊर्जा की पर्याप्त क्षमता रखता है, लेकिन इसका स्थानिक वितरण सीमित है। वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

India has substantial wind energy potential, but its spatial distribution is limited. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत द्वारा 2030 तक 500 GW नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल 179.18 GW की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 42 GW पवन ऊर्जा की क्षमता शामिल है।

पवन ऊर्जा क्षमता

- भारत की 7516 Km. की विस्तृत तटीय सीमा → अपतटीय पवन ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में महत्वपूर्ण।
- राजस्थान व गुजरात के रेगिस्तानों में बड़ी पवन चक्कियों की उपस्थिति भारत की पवन ऊर्जा क्षमता में अहम स्थान रखती है।
- भारत की विशाल ऊर्जा आवश्यकता एक बाजार के रूप में पवन ऊर्जा की क्षमता को प्रेरित करता है।

स्थानिक वितरण सीमित

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ ज्यादातर दक्षिण राज्य (तमिलनाडु, कर्नाटक आदि में विस्तृत संयंत्रों की स्थापना।

→ उत्तर भारत के राज्यों व पूर्वोत्तर में इनकी नगण्य उपस्थिति है।

कारण

↳ भौगोलिक जरूरत :- भौगोलिक रूप से उच्च पवन वाले क्षेत्रों की आवश्यकता

↳ **वित्तीय** :- संयंत्रों की स्थापना के लिए पूंजी का समान रूप से वितरण न सुनिश्चित न हो पाना।

तकनीकी → तकनीकी तौर पर दक्षिण राज्यों में समुद्रों में स्थापना। अन्य क्षेत्रों जैसे कि पहाड़ी क्षेत्र के लिए तकनीक की कमी जैसी समस्या।

भारत को 2030 तक 50% ऊर्जा जरूरत नवीकरणीय से पूरी करने के लिए पवन ऊर्जा में प्रयास बढ़ाने व अन्य नए क्षेत्रों में विस्तार की योजना पर काम करना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

9. गृह से कार्य (वर्क फ्रॉम होम) से पारिवारिक परिदृश्य पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Explore the positive and negative impacts of work-from-home on family dynamics. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Covid 19 महामारी के कारण भारत में वर्क फ्रॉम होम का कॉनसेप्ट विकसित किया गया।

गृह से कार्य के सकारात्मक प्रभाव

i) लैंगिक संवेदनशीलता आई :- पुरुषों द्वारा महिला द्वारा किए जाने वाले कार्यों को करना।

ii) पारिवारिक जुड़ाव :- जीवन के मशीनीकरण से मुक्ति बच्चों को समय मिलना जिससे संबंधों में सुधार आता है।

iii) पर्यावरणीय लाभ :- दिल्ली, बेंगलुरु जैसे शहरों में सुबह से ऑफिस जाने वालों के कारण ट्रैफिक जाम में कमी आई।

iv) मानसिक व शारीरिक आराम :- इंसान को शारीरिक आराम के साथ मानसिक शांति मिलना & उत्पादकता में वृद्धि देखी गई

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक प्रभाव

i) ज्यादा कार्य :- ऑफिस द्वारा ज्यादा कार्य मिलने से मानसिक तनाव का बढ़ना।

ii) डबल वर्क सिंड्रोम :- ऑफिस वर्क के साथ घरेलू कार्य ने अवसाद को बढ़ाया है।

iii) घरेलू हिंसा :- तनाव के कारण निरंतर हिंसा की रिपोर्टिंग – 2023 में 4.35 लाख मामले दर्ज।

iv) गैजेट की लत :- घर पर कार्य से जीवन शैली में बदलाव → समय पर नहाना जैसे कार्य न होने से → खानपान आदत बिगड़ने → मोटापे जैसी बीमारियां व स्क्रीन टाइम से आंखों की समस्याएं बढ़ी।

अतः वर्क फ्रॉम होम दोधारी तलवार के रूप में है। विदेशी कंपनियों से सीख लेकर इसे उत्पादकता बढ़ाने के साधन के रूप में विकसित करना चाहिए।

drishti दृष्टि The Vision

10. गुप्त काल में कालिदास के साहित्यिक महत्त्व और योगदान पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the literary significance and contributions of Kalidasa of the Gupta period. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गुप्त काल की स्थापना 320 ई० में श्रीगुप्त के द्वारा की गई थी। गुप्त काल के सांस्कृतिक योगदान के लिए इसे भारतीय प्राचीन इतिहास का स्वर्णकाल भी माना जाता है।

कालिदास का साहित्यिक महत्व

- कालिदास प्रमुख संस्कृत कवि थे जिन्हें भारत के शेक्सपियर की भी संज्ञा दी गई है।
- इनकी रचनाओं में अभिज्ञान शाकुंतलम प्रमुख रचना जो दुष्यंत व शकुंतला की प्रेम कहानी पर आधारित।
- नाटकों में मेघदूत जैसी रचना जिसमें प्रेमसी द्वारा मेघों द्वारा संदेश पहुंचाने का वर्णन
- विक्रमोर्वशीयम ग्रंथ में कालिदास ने विक्रम व उर्वशी की कहानी की रचना की

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गई है।

→ मालतीमाधव भी उनका एक प्रमुख ग्रंथ है।

योगदान व महत्व

↳ संस्कृत में एक मानक की स्थापना की - भविष्य के साहित्यकारों को मदद मिली।

→ ब्रिटिशों द्वारा भारतीय संस्कृति को अपमान किए जाने पर राष्ट्रवादियों द्वारा करारा जवाब दिया जा सका।

→ संस्कृत के अपने काल में अन्य लेखकों को भी बढ़ावा मिला जैसे वराहमिहिर की बृहत्संहिता ग्रंथ।

↳ इनकी नाट्यकला पर आगे भास जैसे नाटककार विकसित हुए।

अतः कालिदास भारतीय साहित्य में एक प्रमुख सोपान हैं जो भविष्य की रचनाओं के लिए प्रेरणादायी स्रोत रहे।

drishti | दृष्टि The Vision

11. महासागरीय धाराओं को निर्धारित करने वाले कारकों एवं वैश्विक मत्स्य उद्योग पर इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that determine ocean currents and their influence on the global fishing industry. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महासागरीय धाराएं ~~जल के~~ ऊपरी (वृत्ताकार बहाव) जल के नीचे जल का विस्तृत ~~बहाव~~ हैं जो लंबी दूरी के साथ जलीय संसाधनों के स्थानांतरण में मदद करता है।

महासागरीय धाराओं को निर्धारित करने वाले कारक

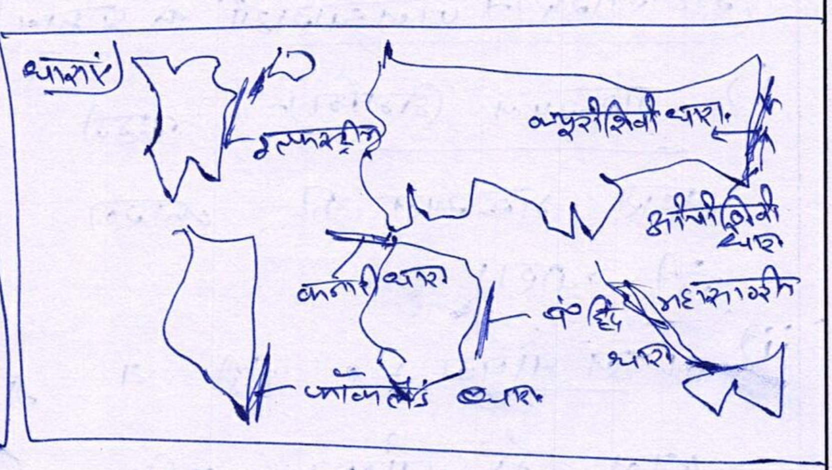

i) जलवायवीय संतुलन :- जलवायु में बदलाव के साथ संतुलन में बदलाव आता व समय-समय पर गति मिलती है।

ii) तापमान में बदलाव :- तापमान में बदलाव के कारण संतुलन होना। दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी तट पर गर्म जलधारा → एलनिनो होना।

iii) चक्रवातीय प्रभाव :- जल के नीचे भूकंप

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्लेट संचलन से भी जल का बहाव निर्देशित होता। परिणामतः सुनामी व चक्रवात का प्रभाव उत्पन्न होना।

iv) वायुमंडलीय परिसंचरण :- वायुमंडलीय परिसंचरण के कारण भी छोटी-छोटी धाराएं भी महासागरीय धाराओं में बदल जाती है।

महासागरीय जलधाराओं के प्रभाव

i) मरुस्थल निर्माण :- उत्तरी अफ्रीका में सहारा मरुस्थल का कारण कनारी की ठंडी धारा।

ii) जल पोषण :- ठंडी व गर्म धाराओं से जल में पोषण वृद्धि व जल के उत्प्लावन से कोरल रीफ का विकास

iii) नेवीगेशन :- नाव संचालन में प्रमुख भूमिका।

मत्स्यन पर धारा प्रभाव

i) ~~जल~~ ठंडी व गर्म जलधाराओं के मिलन से मछलियों ~~के~~ विकास के लिए उत्तम

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्थिति निर्मित होना।

→ जल में जीवन वृद्धि में धाराओं की भूमिका

→ धाराओं द्वारा लाल ज्वार को हटाकर, समुद्रों के प्रदूषण को कम किया जाता है।

→ लवणता, तापमान व जल के आक्सीजन लेवल को संतुलन में लाकर धाराएं जलीय जीवों के विकास को बढ़ावा दि देती है।

मत्स्यन क्षेत्र

↳ उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर गल्फस्ट्रीम गर्म व ठंडी धारा मिलने से मत्स्यन क्षेत्र।

→ दक्षिणी एशिया में इंडोनेशिया का विकसित मत्स्यन क्षेत्र।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से महासागरीय धाराओं पर व जलीय पर्यावरण पर नकारात्मक असर दिखा है मारपोल कन्वेंशन पालन व OSTORMS जैसी योजना के क्रियान्वयन से सुधार कर मत्स्यन में लाभ लिया जा सकता है।

drishti दृष्टि The Vision

12. कुमाऊँ, गढ़वाल, हिमाचल और कश्मीर की पहाड़ियों में वास्तुकला की अद्वितीय शैलियाँ किस प्रकार विकसित हुई हैं? उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did unique forms of architecture develop in the hills of Kumaon, Garhwal, Himachal and Kashmir? Enumerate with examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुगल साम्राज्य की केंद्रिय सत्ता की कमजोरी के बाद पहाड़ी रचनाकारों का विभिन्न क्षेत्रों में प्रसार हुआ। परिणामत: कला की विभिन्न शैलियों का विकास हुआ।

कुमाऊँ, गढ़वाल शैली

- इस शैली में मुगल कालीन तत्वों के साथ राजपूत व स्थानीय कला के तत्वों को भी शामिल कर लिया गया।
- कृष्ण भक्ति को प्रमुख विषय रखते हुए कृष्ण व राधा के वनों में विचरण, बांसुरी बजाते कृष्ण, गोपियों के साथ खेलते हुए कृष्ण चित्रों की रचना की गयी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ चित्रकला की इसी शैली का प्रसार यहाँ की वास्तुकला में दर्शाया गया।

→ नागर शैली पर मंदिरों का विकास करती हुआ उसमें पहाड़ी तत्वों को शामिल किया गया है।

→ ऊँचे शिखर व कलश की बजाय कम ऊँचाई के मंदिरों का निर्माण। केदारनाथ व बद्रीनाथ मंदिरों में इन शैलियों के प्रयोग को साक्ष्य।

→ हिमालय की वास्तुकला में तिब्बती बौद्ध तत्वों की मठ परंपरा का भी समायोजन प्राप्त होता है।

कश्मीरी शैली

→ इस शैली के प्रमुख मंदिरों में मुक्तापीड़ का मार्तंड सूर्य मंदिर प्रमुख है। इस मंदिर के अवशेष ही बचे हैं परंतु इसकी दीवारों व स्तंभों पर अनूठी कलाकृति

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जाई जाती है।

→ नागर कला की वास्तुशैली का प्रयोग कर के शारदा पीठ की स्थापना व मंदिर का निर्माण किया गया है।

→ ये सभी शैलियां पहाड़ी क्षेत्रों में आपदा के साथ संतुलित करके बनाई गई है व सौंदर्य के लिए प्राकृतिक आवरण का भी भरपूर उपयोग किया गया है।

अतः गढ़वाल, कुमाऊँ, हिमाचल व कश्मीरी शैली वास्तुकला का अभिन्न प्रतिरूप प्रदर्शित करती है। स्थानीय तत्वों के साथ भारतीय पौराणिक पात्रों के चित्रण व मंदिर निर्माण के ये मात्र अनूठे उदाहरण है।

13. भारत में दलीय–राजनीतिक पंथनिरपेक्षता ने संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता के सिद्धांतों को किस तरह से कमज़ोर किया है? (250 शब्द) 15

In what ways has party-political secularism undermined the principles of constitutional political secularism in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पंथनिरपेक्षता को 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया। यह भारत में धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति की अवधारणा के विकास में योगदान देती है।

संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता

i) सभी धर्म बराबर :- संविधान द्वारा सभी धर्मों को बराबर माना व राज्य का अपना कोई धर्म नहीं।

ii) भेदभाव समाप्ति :- धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव नहीं (अनुच्छेद 14-18)

iii) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :- अनुच्छेद (25-28) तक सभी नागरिकों को कोई भी धर्म मानने, पालन करने की आज्ञा दी गई है।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दलीय राजनीति पंथनिरपेक्षता

1. राजनीति व धर्म के गठजोड़ के कारण धर्म का राजनीति में दखल बढ़ेगा।

→ धार्मिक राजनीति का उत्थान व पंथनिरपेक्षता की अपनी परिभाषा तैयार की गई। उदा० AIMIM जैसे दल।

→ धार्मिक कट्टरता का प्रसार :- दलों द्वारा लव जिहाद, धार्मिक आरक्षण आदि मुद्दों पर लोगों को भड़काया जाता है।

संवैधानिक पंथनिरपेक्षता पर असर

1. असहिष्णुता का प्रसार → उग्र साम्प्रदायिकता का जन्म।

→ दंगों के द्वारा सामाजिक पूंजी को नुकसान व अंतर्राष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाना

→ धर्मांतरण के मामले :- विदेशी मिशनरियों द्वारा जनजाति क्षेत्रों में जबरन धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

iv) राजनीतिक हिंसा :- चुनाव के समय में ही ऐसे मुद्दों को उभारा जाता लोकतंत्र को कमजोर करता है।
उदा- मेवात दंगे, 2023

आगे की राह।

→ दलीय धार्मिक राजनीति पर रोक लगाना।
लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 के तहत धर्म पर वोट मांगने पर चुनावी उम्मीदवारी रद्द करना।

→ सच्चर कमेटी, 2002 गुजरात दंगों पर नानावटी आयोग की धर्मनिरपेक्ष अनुशंसाओं का पालन करना।

→ सहयोगी धर्मनिरपेक्षता जैसे अभियान चलाना - जियो पारसी योजना।

अतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार व रंगनाथ मिश्रा कमेटी की अल्पसंख्यक आर्थिक स्थिति सुधार के उपायों पर कार्य करना संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को बढ़ाने में सहायक होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

14. रबड़ उत्पादन के वैश्विक वितरण पर चर्चा कीजिये और रबड़ उत्पादक देशों को प्रभावित करने वाले प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Discuss the global distribution of rubber production and highlight the major environmental issues affecting rubber producing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रबड़ का उत्पादन बागानी कृषि के साथ किया जाता है। भारत द्वारा 9 लाख टन / वर्ष रबड़ का उत्पादन किया जाता है जो इसे विश्व के अग्रणी उत्पादकों में शामिल करता है।

रबड़ उत्पादन का वैश्विक वितरण

→ रबड़ के उत्पादन के लिए उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की जलवायु की आवश्यकता।

→ उच्च वर्षा, उपजाऊ जमीन व ज्यादा तापांतर न होना आदर्श स्थिति।

→ इंडोनेशिया, थाईलैंड, फिलिपींस के द्वीपों में रबड़ का अग्रणी उत्पादन होता है।

→ दक्षिणी अमेरिकी देश मुख्यतः ब्राजील,

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के द्वारा भी रबड़ उत्पादन में योगदान किया जाता है।

प्रमुख पर्यावरणीय प्रभाव

i) जलीय संकट :- जल के अति उपभोग के कारण इन देशों में जल संकट की स्थिति देखी जाती है।

ii) मृदा पर प्रभाव :- रबड़ की कृषि के द्वारा मृदा की उपजाऊ शक्ति का शोषण किया जाता है। परिणामतः इन क्षेत्रों में अन्य फसलों का उत्पादन नहीं होता है।

iii) उर्वरक / कीटनाशक प्रभाव :- उर्वरकों व कीटनाशकों के अतिप्रयोग के कारण जल के साथ मृदा व नदी स्रोत / भूजल सभी पर हानिकारक प्रभाव।

iv) श्रमिक शोषण :- रबड़ के बागानों में कार्यरत श्रमिकों का शोषण व उनके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभावों की घटनाएं देखी जाती हैं।

v) जलवायु परिवर्तन में योगदान :- रबड़ की

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि के द्वारा जलवायु परिवर्तन में भी भूमिका निभाई जाती है।

v) जैव विविधता पर असर :- बागानों के विस्तार के लिए वनोन्मूलन किया जाता है, परिणामतः जैव विविधता की आवास हानि व वर्षा पैटर्न में बदलाव देखा जाता है।

4. वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण सूखे की समस्या व तापमान वृद्धि देखी जाती है।

vi) नए रोग जन्म :- लगातार रहने वाली के कारण फसलों में नए नए रोगों की आवृत्ति उत्पादन को गिरा देती है।

अतः रबड़ उत्पादन वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख है। इसके धारणीय उत्पादन पर राष्ट्रीय (भारतीय रबड़ नीति, 2019) व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

15. "भारत में वास्तविक महिला सशक्तीकरण को साकार करने के लिये कल्याण-आधारित दृष्टिकोण से प्रतिनिधि-आधारित दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन आवश्यक है।" संसद में हाल ही में पारित महिला आरक्षण अधिनियम के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

"Transitioning from a welfare-based approach to an agent-based approach is essential for realizing true women empowerment in India." Evaluate this statement in the context of the recently passed Women's Reservation Act in Parliament. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में 128वें संवैधानिक संशोधन 2024 के द्वारा भारतीय संसद (लोकसभा) व विधानसभा में महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षण का कानून पारित किया गया है।

प्रतिनिधि आधारित दृष्टिकोण पर फोकस की जरूरत

i) आर्थिक मजबूती :- प्रतिनिधित्व देने से महिलाओं में सबलता आएगी व खुद के निर्णय स्वयं ले पाएगी।

ii) लैंगिक संवेदनशीलता :- प्रतिनिधित्व मिलने से नए विचारों में विविधता लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ाएगी।

iii) अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ावा :- राजनीति के साथ खेल, विज्ञान में भी महिलाओं को

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नेतृत्व देना।

उदा० चंद्रयान 3 डायरेक्टर रितु करिधाल व आदित्य L- डायरेक्टर निगार शाजी।

iv) सामाजिक सशक्तीकरण :- नेतृत्व प्रदान करने से समाज में भी महिलाओं का उत्थान होगा व रूढ़ियों पर चोट होगी।

परंतु प्रतिनिधित्व के साथ कल्याण भी जरूरी है:

→. सभी महिलाएं प्रतिनिधित्व में नहीं आ सकती इसलिए कल्याण के लिए मातृवंदना, PM पोषण मिशन, मातृत्व सुरक्षा जैसे उपाय भी जरूरी।

→. सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2019 का पालन व POSH जैसे कानूनों द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी।

→. महिलाओं को नेतृत्व देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य आदि कल्याणकारी उपाय भविष्य की नींव के रूप में लाभ देंगे।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महिला आरक्षण अधिनियम की चिंताएं

→ पंचायतों में भी 33% आरक्षण (हरियाणा में 50%) परंतु घूंघट पति प्रथा।

→ नेतृत्व देने के बावजूद पति द्वारा नेतृत्व दिलाना, महिला संरक्षीकरण का खतरा।

आगे की राह

↳ महिलाओं की राजनीति में बढ़ाने के लिए निचले स्तर से ही राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने की जरूरत।

→ कानून में और निर्धारण में पारदर्शिता लाकर - विश्वास बढ़ाने की जरूरत।

अतः यह कानून एक मील का पत्थर साबित हो सकता है अगर महिलाओं को प्रभावी प्रतिनिधित्व दिया जाए और जल्द जनगणना करवा कर कानून को लागू किया जाए।

drishti | दृष्टि The Vision

16. जलडमरूमध्य और स्थलडमरूमध्य (इस्थमस) वैश्विक व्यापार को कैसे प्रभावित करते हैं वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Explain how straits and isthmuses influence global trade. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलडमरूमध्य व स्थलडमरूमध्य

दो बड़े व जल स्रोतों के बीच स्थित होते हैं। अपनी विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण ये देशों की कूटनीति व अर्थव्यवस्था में अभिन्न योगदान देते हैं।

वैश्विक व्यापार पर प्रभावित

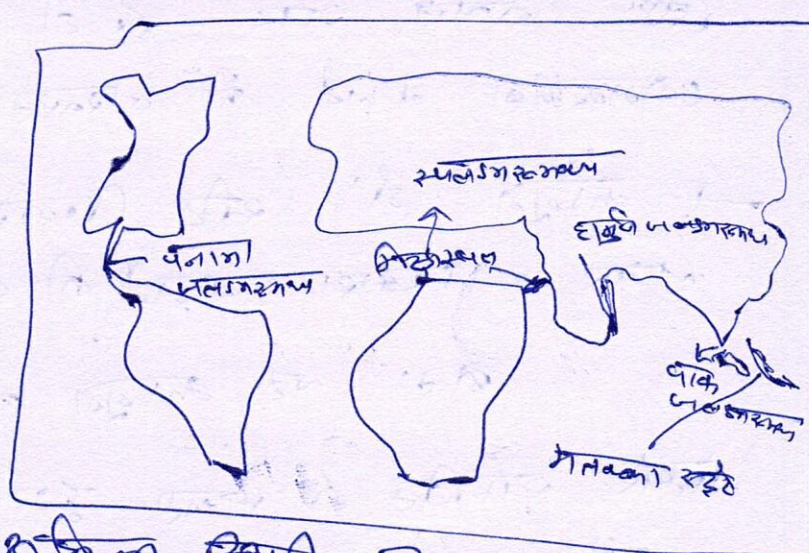

4. वैश्विक व्यापार परिवहन के लिए उनकी अभिन्न स्थिति का लाभ

1. इन के द्वारा गुजरने वाले नौ संसाधनों पूरे विश्व के लिए लाभकारी। होर्मुज जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में भारत व

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पश्चिमी एशिया के साथ वस्तुओं का आदान प्रदान

→ तेल व्यापार के साथ संचार के लिए जल के आंतरिक भाग में बिछाई जाने वाली केबल के लिए भी इनकी महत्वपूर्ण स्थिति।

→ स्थलडमरूमध्य से व्यापार कनेक्टिविटी प्रदान जिससे जलडमरूमध्य को भी लाभ

→ IMEC (भारत मध्यपूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर) व चीन की BRI (बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव) आदि इन महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ने के लिए ही प्रोजेक्ट चलाए गए हैं।

→ इन स्थलों के व्यापारिक महत्व के साथ भूसामरिक महत्व भी होते हैं; समुद्री लुटेरों द्वारा इन स्थलों का उपयोग किया जाता है।

(अन्य आर्थिक महत्व)

→ मत्स्यन के क्षेत्र में अग्रणी भारत द्वारा पाक जलडमरूमध्य की वेज बैंक

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

में मत्स्यन दोहन किया जाता है।

→ इसके अलावा रिसर्च व विकास के लिए इकोसिस्टम चलाने में भी इनकी महत्त्वपूर्ण स्थिति।

(आधुनिक चुनौतियां)

1. चीन द्वारा अपनी स्ट्रिंग पर्ल थ्योरी से इन प्रमुख स्थलों में सैन्य बेस बनाना।

2. व्यापार में बाधा के लिए चुनौती व अब्दुल में होती विद्रोही द्वारा हमले इन स्थलों के अस्तित्व के लिए खतरा उत्पन्न करते हैं।

अतः पर्यावरणीय प्रभावों की समीक्षा करते हुए प्रमुख व्यापारिक साधनों के रूप में इनका प्रयोग भारत व वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रभावी कदम साबित होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

17. दक्षिण-पूर्व एशिया की धार्मिक अभिव्यक्ति और स्थापत्य परिदृश्य को आकार देने में भारतीय संस्कृति की भूमिका पर चर्चा कीजिये और इस संदर्भ में क्षेत्र के विभिन्न देशों से उदाहरण भी दीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the role of Indian culture in shaping the religious expression and architectural landscape of Southeast Asia. Provide examples from different countries in the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय उपमहाद्वीप प्राचीनकाल से ही सांस्कृतिक विविधता व वैश्विक व्यवस्था के साथ आदान प्रदान का केंद्र रहा है। इसी कारण भारतीय सांस्कृतिक तत्वों का वैश्विक स्तर पर प्रसार मिलता है।

दक्षिणी पूर्वी एशिया में संस्कृति प्रसार साधन

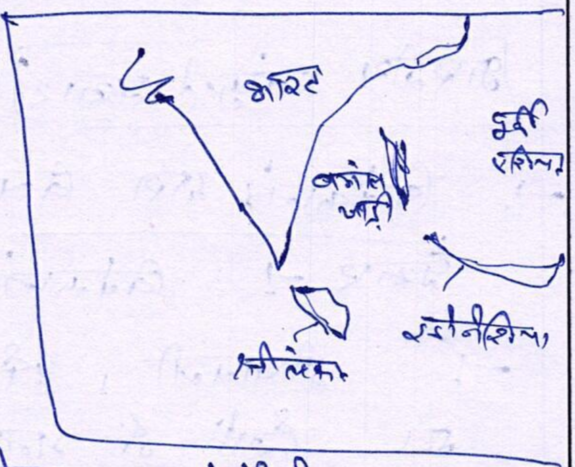

1. व्यापार में बढ़ती हिस्सेदारी के कारण।
1. चोल साम्राज्य का विस्तार इंडोनेशिया तक वहाँ के शैलेन्द्र साम्राज्य से रिश्ते।
1. व्यापारियों द्वारा गिरमिटिया के प्रसार से से लोगों को इन क्षेत्रों में बसाना।

धार्मिक अभिव्यक्ति पर असर

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ प्राचीनकाल में बौद्ध धर्म: अशोक द्वारा विस्तार ने वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपींस आदि में बौद्ध धर्म को मजबूत किया।

हिंदू धर्म तत्त्व

↳ इंडोनेशिया के साथ प्राचीन संबंधों के कारण रामायण, महाभारत का प्रसार द्वीपों के नाम बाली, वाक्रुसौवा को नाम गरुड़ एयरलाइन्स

भारतीय संस्कृति प्रसार

→ विवेकानंद द्वारा वियतनाम में सुधार के कार्य प्रसार। विवेकानंद सेंटर की स्थापना।

→ दीपावली, होली जैसे त्योहारों का इन देशों में मनाया जाना।

→ श्रीलंका में संगम कालीन तमिल संस्कृति का प्रसार

→ भारतीय संस्कृति के विवाह संबंध, पशु पूजा, प्रकृति पूजा, मूर्ति पूजा आदि के तत्त्व भी इन देशों में देखे जाते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्थापत्य पर प्रभाव

→ कंबोडिया में अंकोरवाट का विशाल मंदिर।

→ भारतीय पौराणिक देवताओं के मंदिरों व मूर्तियों की स्थापना करना।

→ मंदिर व मस्जिद के निर्माण में इंडो-इस्लामिक स्थापत्य का प्रभाव।

→ बौद्ध मठ व स्तूप अवधारणा, म्यांमार, सिंगापुर में बौद्ध मठों की स्थापना।

→ साहित्यिक संस्कृति में भी भारतीय ग्रंथों की धारणाओं का प्रयोग।

अतः भारतीय संस्कृति प्राचीन काल से ही इन क्षेत्रों में समाई हुई परिणामतः आज भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में प्रभावी भारतीय व संस्कृति अहम भूमिका निभा रही है।

drishti | दृष्टि The Vision

18. "जितना अधिक मैं इस अवधि का अध्ययन करता हूँ, उतना ही अधिक मैं आश्वस्त होता हूँ कि सैन्य अक्षमता साम्राज्य के अंतिम पतन का मुख्य कारण था, यद्यपि यह एकमात्र कारण नहीं था" मुगल साम्राज्य के पतन के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

"The more I study the period, the more I am convinced that military inefficiency was the principal, if not the sole cause of empire's final collapse." Discuss the statement with reference to the fall of Mughal Empire. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1526 ई० में पानीपत के युद्ध में विजय के साथ बाबर ने मुगल साम्राज्य की स्थापना की। 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के साथ मुगल साम्राज्य पतन की ओर जाने लगा।

सैन्य अक्षमता के कारण पतन

→ कोई विशेष सेनापति या मजबूत शासक न रहने के कारण सैन्य व्यवस्था में कमजोरी आई।

→ सैन्य व्यवस्था की कमजोरी के कारण ही नादिरशाह जैसे विदेशी आक्रमणों का सामना नहीं कर पाया।

→ मनसबदारी व जागीरदारी प्रणाली के कारण सेना विभाजित थी, एकरूपता न होने के कारण युद्ध संचालन प्रभावित होता था।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परंतु केवल सैन्य कमजोरी के कारण मुगल साम्राज्य का पतन नहीं हुआ, क्योंकि कमजोरी के बावजूद उस समय की यही सबसे बड़ी सेना थी।

अन्य पतन के कारण

i) औरंगजेब की नीतियाँ :- धार्मिक कट्टरता के कारण मजबूत राजपूतों की शासन से दूरी होना।

ii) विद्रोह का जन्म :- शासक की खराब नीति के परिणामस्वरूप मराठा विद्रोह, राजस्थान के राजपूत, कृषकों का विद्रोह।

iii) कृषि संकट :- कृषि अर्थव्यवस्था में पतन की स्थिति देखी गई, परिणामतः राजस्व व्यवस्था टूटी – जमा व हासिल राजस्व में अंतर आना।

iv) अयोग्य उत्तराधिकारी :- मुहम्मद शाह रंगीला जैसे शासकों ने सल्तनत को कमजोर

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किया।

v) विदेशी हमले :- मुहम्मद नादिरशाह व अब्दाली के हमलों के कारण भी केंद्रीय सत्ता कमजोर हुई।

vi) दरबारी षड्यंत्र :- शासकों के बीच गद्दी को लेकर लड़ाई ने भी अमीर वर्ग को मजबूत किया परिणामतः हैदराबाद, अवध, बंगाल जैसे उत्तराधिकारी राज्यों का उदय।

vii) कंपनी की मजबूती :- ब्रिटिश कंपनी की धीरे-धीरे मजबूती व प्लासी, बक्सर की जीत के बाद मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय कंपनी की शरण में आ गया।

अतः मुगल साम्राज्य पतन अवस्था में भी 1857 तक चलता रहा, केंद्रीय सत्ता की जगह सामंती तत्वों के उत्थान ने कंपनी का काम आसान कर भारत को ब्रिटिश गुलामी में धकेल दिया गया।

drishti | दृष्टि The Vision

19. क्षोभमंडल एक महत्त्वपूर्ण वायुमंडलीय परत है, जो मौसम प्रक्रियाओं को नियंत्रित करती है। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

The troposphere is a critical atmospheric layer that governs weather processes. Explain. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी का वायुमंडल मुख्य तौर पर पांच परतों में बंटा हुआ। इन परतों के द्वारा ही पृथ्वी पर मौसम व रहने की स्थिति, सैटेलाइट संचार आदि का निर्धारण किया जाता है।

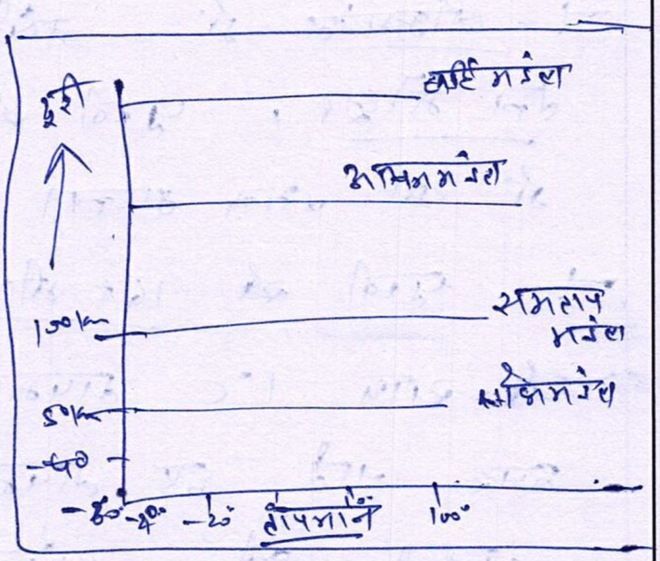

क्षोभमंडल का महत्व

1. इसकी ऊंचाई की ध्रुवों पर जहां 15km. तक माना जाता है वहीं भूमध्य रेखा पर 25 से 30km. तक की ऊंचाई तक क्षोभमंडल की उपस्थिति है।

2. पृथ्वी के मौसम में दैनिक तौर पर परिवर्तनों में इस परत का महत्व है।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ बादलों का निर्माण, जलवाष्प धारण आदि सभी क्रियाएं यहीं होती है।

→ तापमान व्युत्क्रमण की घटना, कोहरा का छा जाना।

→ पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण CO_2, CO आदि गैसों का क्षोभमंडल में संरक्षित होना → हीट डोम की स्थिति व स्मॉग का निर्माण

→ क्षोभमंडल में वर्षा करने वाले सभी तत्व मौजूद, पृथ्वी से संवहन क्रिया आदि में भी इसका महत्व।

→ पृथ्वी से 165 मी की ऊँचाई पर जाने के साथ 1°C तापमान में गिरावट – निरंतर ऊपर जाते हुए तापमान गिरने की यह घटना भी जलवायवीय स्थिति का निर्धारण करती है।

→ पृथ्वी के ऊष्मा बजट को संतुलित रखने में क्षोभमंडल का महत्व, पृथ्वी के ऊष्मा बजट में ज्यादातर ऊष्मा बादलों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऊर्जा स्थानांतरण कर दी जाती है।

1. निचले बादलों के कारण पृथ्वी से ऊर्जा के अवशोषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग को भी बढ़ावा मिलता है।

1. कृत्रिम वर्षा करवाने के लिए भी क्षोभमंडल का प्रयोग किया जाता है, जिसमें सिल्वर आयोडाइड जैसे तत्वों का प्रयोग।

1. क्षोभमंडल से ऊपर समतापमंडल में ओजोन परत जिसकी सुचारू गतिविधि क्रियान्वयन में भी क्षोभमंडल भूमिका निभाता है।

अतः क्षोभमंडल की परत पृथ्वी के जलवायु व मौसम निर्धारण में महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग के कारण धरातलीय ओजोन को रोककर यह हानिकारक भूमिका व वर्षा में सहयोग कर के सकारात्मक भूमिका निभाती है।

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिये समर्थन जुटाने वाले पहले अखिल भारतीय संगठनों में से एक थी। हालाँकि इसकी स्थापना से पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न राष्ट्रवादी संगठन मौजूद थे। भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Indian National Congress was one of the first pan-India organizations to mobilize support for Indian national movement. However, even before its founding, various nationalist bodies did exist in different parts of the country. Highlight their contributions towards Indian Nationalist movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1885 ई॰ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बंबई में स्थापना की गयी। इसकी स्थापना के साथ इसने उस राष्ट्रीय आंदोलन को गति दी जो पहले से ही छोटे संगठनों द्वारा विभाजित तरीके से चलाया जा रहा था।

INC के पूर्ववर्ती संगठन

i) जमींदारी एसोसिएशन :- 1838 में जमींदारी लीग की स्थापना ने लोगों को बंगाल के क्षेत्र में राज के खिलाफ एकजुट होने में मदद की।

ii) बंगाल एसोसिएशन :- 1851 में इस संगठन की स्थापना। पश्चिमी शिक्षा के धीरे-धीरे प्रसार के लोगों में उनके अधिकारों के लिए जागरूकता पैदा की व संगठन को

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निर्माण हुआ।

iii) पूना सार्वजनिक सभा :- 1867 में रानाडे जैसे विचारक के द्वारा स्थापित इस दल ने सामाजिक सुधार व किसानों की समस्याओं को उठाने का प्रयास किया।

iv) इंडियन एसोसिएशन ऑफ कलिकाता :- सुरेंद्रनाथ बैनर्जी बनर्जी जैसे अग्रणी नेताओं ने सिविल सेवाओं में सुधार के लिए इस संगठन की स्थापना।

→ सिविल सेवा में भागीदारी की उम्र 21 वर्ष करने पर व्यापक जनांदोलन किया

v) इंडियन लीग :- 1866 की इस लीग में अग्रणी नेता दादा भाई नौरोजी थे। नौरोजी ने भारत से धन की निकासी का R.C. दत्त के साथ मिलकर विरोध किया।

vi) बॉम्बे संगठन :- बदरुद्दीन तैय्यब जी नेताओं द्वारा बॉम्बे के अमीर लोगों के

drishti | दृष्टि The Vision

नेतृत्व में इस संगठन का निर्माण, चेन्नई में भी ऐसी ही संस्था बनाई गयी।

vii) ब्रह्म समाज की शाखाएं:- केशवचंद्र सेन की अगुवाई में नवब्रह्म समाज के मंच पर भी सभी में सुधार की मांगें किए गए।

→ इसके अलावा 1875 में स्थापित आर्य समाज धर्म सुधार के साथ सभी की चेतना जागृति से भी जुड़ा था।

अन्य योगदान → भारत में शिक्षा के प्रसार के लिए आंदोलन
→ सामाजिक सुधार के प्रयास व कृषक भूराजस्व की कमी की मांग
→ आर्थिक एकजुटता की बात करते हुए विरोध दर्ज करना।

अंततः अमेरिकी कांग्रेस से प्रेरणा लेते हुए 1885 में INC की स्थापना ने एक छतरी संगठन की भूमिका निभाते हुए अगले 65 वर्षों के विभिन्न संघर्षों द्वारा देश की स्वतंत्रता में योगदान दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti

दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)